टैक्स विवाद में उलझीं महापौर

घोषणा पत्र में 25% घटाने का वादा हकीकत में 10% बढ़ाने की तैयारी

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 14 मार्च। मेयर इन काउंसिल की बैठक में संपत्ति कर बढ़ाने के फैसले से कांग्रेस संगठन में घमासान मच गया है। कांग्रेस पदाधिकारी चुनाव घोषणा पत्र के खिलाफ किए गए इस फैसले को वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। कई कांग्रेस पार्षद भी महापौर के इस निर्णय से नाराज हैं।

दिसंबर में हुए चुनाव के दौरान कांग्रेस के घोषणा-पत्र में संपत्ति कर 25 प्रतिशत घटाने का वादा किया गया था। चुनाव जीतने के बाद मेयर इन काउंसिल की पहली बैठक में ही संपत्ति कर में 10 प्रतिशत वृद्धि का प्रस्ताव पारित किया गया। इससे शहर कांग्रेस कमेटी के प्रमुख पदाधिकारियों सहित कई कांग्रेस पार्षद नाराज हैं। सामान्य सभा से ऐन पहले महापौर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी में ही मोर्चा खुल गया है।

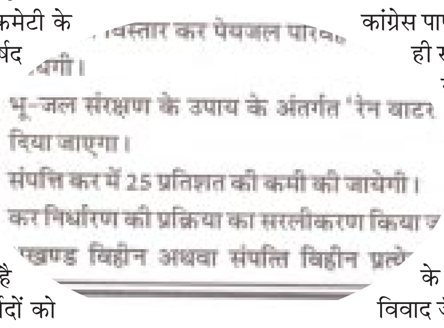

...विस्तार कर पेयजल पार...
...गी।
भू-जल संरक्षण के उपाय के अंतर्गत 'रेन वाटर...
दिया जाएगा।
संपत्ति कर में 25 प्रतिशत की कमी की जायेगी।
कर निर्धारण की प्रक्रिया का सरलीकरण किया...
...खण्ड विहीन अथवा संपत्ति विहीन प्रत्ये...

इसके अलावा एमआईसी में शामिल किए गए 4 निर्दलीय पार्षदों को कांग्रेस में शामिल करने के लिए पार्टी में विवाद की स्थिति है। कांग्रेस पार्षदों का कहना है कि एमआईसी में शामिल किए गए पार्षदों को पार्टी में प्रवेश का मामला तत्काल निबटाना चाहिए। ऐसा न होने पर सामान्य सभा में विषम स्थितियां पैदा हो सकती है। कांग्रेस पार्षदों का सवाल है कि एमआईसी में शामिल निर्दलीय पार्षद कांग्रेस पार्षदों के साथ बैठेंगे या निर्दलीय पार्षदों के बीच रहेंगे, ये स्पष्ट करना जरूरी है। विभिन्न मुद्दों को लेकर सामान्य सभा प्रस्तावों के समर्थन या विरोध को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने पर पार्टी की फजीहत हो सकती है।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष इंदरचंद धाड़ीवाल ने सामान्य सभा के पहले कांग्रेस पार्षद दल की बैठक रविवार को शाम 5 बजे आयोजित करने का निर्णय लिया है। इसमें कांग्रेस पार्षदों की शिकायतों को सुलझाने के साथ ही सामान्य सभा में पार्टी पार्षदों को एकजुट रहने सहित अन्य रणनीतियां तय की जाएगी। श्री धाड़ीवाल ने बताया कि महापौर से संपत्तिकर में बढ़ोतरी का फैसला वापस लेने का आग्रह किया जाएगा। कांग्रेस घोषणा पत्र के अनुरूप जनता से किए गए वायदों को पूरा करने के लिए सभी कांग्रेसी एकजुट हैं। इसमें विवाद जैसा कोई मुद्दा नहीं है।

सटोरियों की रैली निकाली पुलिस ने

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 14 मार्च। राजधानी पुलिस ने शनिवार को आईपीएल में सट्टे के हाईटेक कारोबार का भंडाफोड़ किया था। पुलिस रविवार को गिरफ्तार सटोरियों को नये बस स्टैण्ड से रैली की शक्ल में कोर्ट तक ले गई। यहां उन्हें पेश किया गया।

पुलिस को अब तक 220 सटोरियों के नामों की सूची और देशभर से इस कारोबार के तार जुड़े होने की जानकारी मिली है। पुलिस के मुताबिक हर मैच में सट्टा एक करोड़ तक पहुंच जाता था। नागपुर को इस कारोबार का मुख्य केंद्र बताया गया है। पुलिस ने कल अवनी गार्डन कालोनी में दबिश देकर क्रिकेट सट्टे का हाईटेक कारोबार करने वाले चार सटोरियों को गिरफ्तार कर उनसे एक लाख रुपए नगदी समेत कारोबार का सारा हाईटेक सेटअप बरामद किया था। आरोपियों को आज अदालत में पेश किया गया। प्रमेल सग्गर, अनिल जयसिंघानी, पारस मानिकपुरी और गोविन्द सैन को नए बस स्टैण्ड से पैदल कोर्ट तक ले जाया गया।

पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी है। सीटी एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि छानबीन की जा रही है। जब्त किए गए लैपटॉप के आकड़ों की जांच में लेन-देन की जानकारी मिल रही है। लैपटॉप से 220 सटोरियों के नामों की सूची भी मिली है। उन्होंने बताया कि दिल्ली, इंदौर, नागपुर, ग्वालियर, अहमदाबाद के अलावा छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों से इस कारोबार के तार जुड़े होने की जानकारी मिल रही है।

चोरी की बाइक के साथ दो युवक पकड़ाए

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 14 मार्च। क्राइम ब्रांच ने रविवार को दो युवकों को चोरी की दो बाईक के साथ गिरफ्तार किया। गाड़ी की डिक्की से मोबाइल चोरी करने वाले एक युवक को भी गिरफ्तार किया गया।

क्राइम ब्रांच ने रविवार को चरोदा के राजू दास मानिकपुरी और चूनाभट्ठी के महेश यादव को बाइक चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया। युवकों के पास से सीबीजी और सीडी डॉन गाड़ियां भी जब्त की गई। गाड़ियां कुछ महीने पहले सम्राट टाकीज और नर्मदापारा के पास से चोरी हुईं थी। युवक चोरी के दूसरे मामलों में पहले भी पकड़े गए हैं। क्राइम ब्रांच ने कातरबाड़ा के शेख अथसर को चोरी की मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया है। मोबाइल दोपहिया वाहन की डिक्की से चोरी की गई थी।

सुखबीर सिख समाज के अध्यक्ष चुने गए

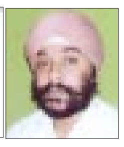

रायपुर, 14 मार्च। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज की बैठक में सुखबीर सिंह सिंघोत्रा को प्रदेश अध्यक्ष व अमरजीत सिंह छाबड़ा को प्रदेश महासचिव घोषित किया गया उत्तर विधानसभा के विधायक कुलदीप सिंह जुनेजा को संरक्षक बनाया गया। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा 23 मार्च को शहिदे आजम सरदार भगत सिंह की शहादत के अवसर पर शहीद भगत सिंह चौक, गांधी उद्यान के पास शहीदों की याद में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया है। छत्तीसगढ़ सिक्ख संगठन के बैठक में हरपाल सिंह मिस्सन को शहर सहसचिव नियुक्त किया गया है।

मलेरिया घोटाला में कुछ और अफसरों को तलब करने की तैयारी

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 14 मार्च। स्वास्थ्य विभाग के मलेरिया घोटाला मामले में सीबीआई कुछ और अफसरों-कर्मचारियों को तलब करने की तैयारी में है। राज्य मलेरिया अधिकारी डॉ. जयप्रकाश ने सीबीआई के समक्ष उपस्थित होने के लिए मोहलत मांगी हैं। बताया जा रहा है कि डॉ. जयप्रकाश से पूछताछ होने के बाद घोटाले के मास्टर माइंड डॉ. प्रमोद सिंह समेत अन्य अधिकारियों को बुलाया जा सकता है।

राज्य के चर्चित मलेरिया घोटाला मामले की तहकीकात तेज हो गई है। मामले की जांच दिल्ली सीबीआई के अधिकारी कर रहे हैं। पिछले दिनों सीबीआई के डीएसपी राजीव द्विवेदी ने भिलाई स्थित कार्यालय में जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. अशोक वाधवा, आर.के. शाहनी, डॉ.टी.के. अग्रवाल और डॉ. सुभाष पाण्डेय से अलग-अलग पूछताछ की। सीबीआई ने राज्य मलेरिया अधिकारी डॉ. जयप्रकाश को भी समस्त दस्तावेजों के साथ तलब किया था। बताया जा रहा है कि डॉ. जयप्रकाश

राज्य मलेरिया अधिकारी ने मोहलत मांगी

सीबीआई के समक्ष उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने विधानसभा का सत्र और बजट के कार्य में व्यस्त होने के कारण उपस्थित होने में असमर्थता जाहिर करते हुए कहा है कि उन्हें अगले दौर में बुलाया जाए।

जानकार सूत्रों के मुताबिक सीबीआई ने डॉ. जयप्रकाश के आग्रह को मान लिया है। उनसे पूछताछ के लिए फिलहाल कोई समय तय नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि पखवाड़ेभर के बाद सीबीआई की टीम अगले दौर की पूछताछ करेगी इस दौरान उन्हें बुलाया जा सकता है। इस मामले में डॉ. जयप्रकाश ने सीबीआई को कुछ दस्तावेज उपलब्ध कराएं हैं। उन्होंने सीबीआई द्वारा मांगे गए दस्तावेज को एकत्रित करने के लिए एक टीम का गठन किया गया था। टीम के सदस्यों से कागजात एकत्रित कर स्वास्थ्य संचालक को सौंप दिया गया था। इन्हीं दस्तावेजों को सीबीआई को दिए गए।

सीबीआई ने बाकी अधिकारियों से भी गहन पूछताछ की है। इनमें से कुछ अफसर ऐसे हैं जिन्हें दस्तावेज संकलित करने के लिए कमेटी में रखा गया था। सीबीआई ने उन अधिकारियों से राज्य में क्रय नियमों और केन्द्र सरकार के दिशा निर्देश की जानकारी ली है। जानकार सूत्रों का कहना है कि इस मामले में मलेरिया अधिकारी डॉ. जयप्रकाश से पूछताछ के बाद कुछ और नई जानकारियां सामने आ सकती है।

अंतरराष्ट्रीय हर्बल सम्मेलन शुरू

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 14 मार्च। वनमंत्री विक्रम उसेंडी ने आज यहां आयोजित आरोग्य मेला में औषधि पादपों की जानकारी से युक्त पुस्तिका हर्बल वर्ल्ड का विमोचन किया। मेले में शिरकत करने देश विदेश से ख्याति प्राप्त औषधि पादप विशेषज्ञ आए हुए हैं। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में जर्मनी के होम्योपैथ विशेषज्ञ बुलरिक वर्क ने कहा कि प्रदूषण के कारण भी हर्बल औषधियां विलुप्त हो रही हैं।

श्री वर्क ने हर्बल औषधियों के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि परंपरागत चिकित्सा पद्धति में हर्बल औषधियों का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के कारण हर्बल औषधियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। इसके संरक्षण की काफी जरूरत है। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद वनमंत्री विक्रम उसेंडी ने कहा कि राज्य के लगभग आधे हिस्से में वन है और वन ही हमारे आर्थिक उपार्जन का प्रमुख स्रोत रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेंहदी रोपण का कार्य वृहत रूप में किया जा रहा है। सरगुजा-बस्तर में करीब 40 हेक्टेयर क्षेत्र में मेंहदी रोपण किया गया है। श्री उसेंडी ने कहा कि कृषि विभाग के सहयोग से और कृषकों को जोड़ा जाएगा।

वनमंत्री ने कहा कि रायपुर, महासमुंद, रायगढ़, दुर्ग, कवर्धा में मिशन आंवला और आयुष के सहयोग से आयुर्वेद ग्रामों में हर्बल औषधियों के रोपण में विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में मौजूद प्रधान मुख्य वन संरक्षक आर.के. शर्मा ने हर्बल औषधियों के उत्पादन पर जोर दिया।

इस मौके पर जाम्बिया, जर्मनी सहित अन्य देशों से वन औषधि विशेषज्ञ आए हुए हैं। यह मेला चार दिन तक चलेगा।

राजधानी की सड़क पर घोड़ा-गाड़ी और राजा-महाराजा जैसी ठाठ वाली ये सवारी देखकर चौंकने की जरूरत नहीं है। राजधानी में न तो कोई इस तरह की सवारी की शुरूआत हुई है और न ही कोई राजा अपनी रानी के साथ सैर सपाटे पर निकला है। यह बूढ़ातालाब के पास एक छत्तीसगढ़ एलबम की शूटिंग का दृश्य है जिसे देखकर रास्ते से गुजरने वाले लोग भी ठिठक गए। इसे देखने वाले कुछ लोग यह सोच रहे होंगे कि आज के कान फोडू और दम घोटू वाहनों से तो ये कहीं ज्यादा बेहतर हो सकता है। छाया छत्तीसगढ़

नेत्रहीन बच्चों के परीक्षा से पहले निष्कासन का विरोध

रायपुर, 14 मार्च। शासकीय नेत्रहीन विद्यालय मठपुरैना से नेत्रहीन बच्चों को परीक्षा से ऐन पहले निष्कासित करने के फैसले पर कड़ा विरोध किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव व प्रवक्ता राजेश बिस्सा ने इसे अमानवीय और विकलांग अधिनियम के विरुद्ध बताते हुए अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

श्री बिस्सा ने कहा कि नेत्रहीन बच्चे मोबाइल फोन के जरिए परिजनों से बातचीत करते हैं। ये उनका नैतिक अधिकार है लेकिन प्रबंधन इसे प्रतिबंधित कर छात्रावास को जेल बना देना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि छात्रावास की कैशबुक अपूर्ण व स्टाक रजिस्टर गायब है। पिछले एक साल में किए गए खर्चों को कोई देखने वाला नहीं है। नेत्रहीनों को संरक्षण देने और भ्रष्टाचार की जांच में लीपापोती नहीं होना चाहिए।

बिस्सा ने कहा कि नेत्रहीन बच्चों ने अपनी पीड़ा कुछ माह पूर्व राज्यपाल भवन पहुंचाई थी तथा राज्यपाल की धर्मपत्नी ने दौरा करके समस्याओं का निराकरण करवाया था। राज्यपाल के बदलते ही अधिकारी पुनः निरंकुश होकर बच्चों को प्रताड़ित कर रहे हैं।

लोनिवि उपसचिव, प्रभारी मुख्य अभियंता की लोक आयोग में शिकायत

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 14 मार्च। छत्तीसगढ़ इंजीनियरिंग वेलफेयर एसोसिएशन ने प्रदेश में वरिष्ठता को नजरअंदाज कर नियम विरूद्ध तरीके से पदोन्नति देने का आरोप लगाया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष जबीर सिंह सेंगर ने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि सेतु परिक्षेत्र रायपुर के प्रभारी मुख्य अभियंता केके पीपरी को अब तक दी गई पदोन्नतियां अवैध हैं। इस पूरे मामले में उन्होंने लोक आयोग में शिकायत की है।

सेंगर ने कहा कि मध्यप्रदेश केडर के सहायक अभियंता केके पीपरी को कार्यपालन अभियंता और अधीक्षण अभियंता पद पर नियम विरूद्ध पदोन्नति दी गई। इसके कारण राज्य के कई इंजीनियर पदोन्नति से वंचित हो गए। वर्तमान में अधीक्षण अभियंता (सिविल) से मुख्य अभियंता पद पर पदोन्नति के लिए 2 वर्ष की सेवा अवधि में छूट दी गई है। ये छूट केवल छत्तीसगढ़ के अफसरों के लिए है। लेकिन पीपरी को मध्यप्रदेश केडर का इंजीनियर होने के बावजूद अनुचित ढंग से लाभ दिया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि विभाग के 20 अधीक्षण अभियंताओं ने पीपरी को गलत तरीके से पदोन्नत करने पर आपत्ति जताई है। सेंगर ने आरोप लगाया कि पीडब्ल्यूडी मंत्री व विभाग के सचिव से इस संबंध में शिकायत के बावजूद सेतु विभाग का चीफ इंजीनियर बनाया जा रहा है। पात्रता न होने के बावजूद मनमाने ढंग से काम करने की नीयत से ऐसा हो रहा है। छत्तीसगढ़ के इंजीनियरों के साथ पक्षपात करते हुए म.प्र. केडर के इंजीनियर को पदोन्नति दी जा रही है।

सरकार की खरगोश पालन योजना का विरोध

छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायपुर, 14 मार्च। सकल जैन समाज ने राज्य सरकार की खरगोश पालन योजना का विरोध किया है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विदेशों से खरगोश मंगाए जाने की योजना है। इसके पहले चरण में 43 मादा और 13 नर खरगोश विदेशों से मंगाए जा रहे हैं। यह योजना जशपुर व कोरिया जिले में लागू की जाएगी। बाद में अन्य जिलों में इसे विस्तारित किया जाएगा। शासन द्वारा किसानों को खरगोश दिए जाएंगे। जिसके मटन को किसान घर-घर बेचेंगे और उसके बाल से स्वेटर, जैकेट व खिलौने बनाए जाएंगे। सकल जैन समाज के पंकज जैन ने रविवार को प्रेसवार्ता में कहा कि समाज जीव हिंसा का विरोध करेगा। वैसे भी विदेशों से खरगोश मंगाया जाना खतरनाक हो सकता है। खरगोश के साथ कई बीमारियों के भारत आने की आशंका रहेगी। खरगोश की प्रजनन क्षमता ज्यादा होती है। इस पर नियंत्रण नहीं रखा गया तो आस्ट्रेलिया की तरह फसल और वनस्पति को भी नुकसान पहुंचेगा। पंकज ने कहा कि ग्रामीणों की आय बढ़ाने की यह योजना सही नहीं है। इससे छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को दुष्परिणाम का सामना करना पड़ सकता है।

जगार में कार्यक्रम प्रस्तुत करने के लिए तैयार कलाकार

बुजुर्गों-विकलांगों के लिए प्लेटफार्म में इलेक्ट्रिक कार

रायपुर, 14 मार्च। मध्य भारत में पहली बार रायपुर के रेल्वे स्टेशन में प्लेटफार्म से ट्रेनों के डिब्बे तक विकलांगों और बुजुर्गों को लाने ले जाने के लिए एक बैटरी आपरेटेड इलेक्ट्रिक कार का निःशुल्क संचालन मारवाड़ी युवा मंच रायपुर सेंट्रल द्वारा प्रारंभ किया जा रहा है। इस कार के संचालन से प्लेटफार्म की लंबी दूरी और ओव्हरब्रिज की असहनीय कष्ट वाली यात्रा से बुजुर्गों और निःशक्तजनों को निजात मिलेगी।

रेल्वे सलाहकार समिति के सदस्य और मंच के मार्गदर्शक अशोक अग्रवाल ने रविवार को प्रेसवार्ता में बताया कि चार सीटर इलेक्ट्रिक कार लो फ्लोर होगी ताकि चढ़ने उतरने में किसी प्रकार की तकलीफों का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि 24 मार्च को रामनवमी एवं प्रख्यात समाजवादी स्व. राममनोहर लोहिया की जन्मतिथि के मौके पर इलेक्ट्रिक कार जनता को समर्पित की जायेगी। उन्होंने बताया कि प्लेटफार्म से गाड़ियों के डिब्बे तक पहुंचने और प्लेटफार्म बदलने के लिए वृद्धजनों एवं विकलांगों को स्टेशन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, व्हीलचेयर न मिलने से उत्पन्न होने वाले दर्द एवं उचित रैम्प के न होने को देखते हुए मारवाड़ी युवा मंच रायपुर सेंट्रल के सहयोग से यह सेवा प्रारंभ करने का निर्णय लिया है।